

Since 1994
KP GROUP
www.kpgroup.co

WORLD ENVIRONMENT Day

CO₂ 40+ Lakhs
Metric Tonnes of
CARBON EMISSIONS SAVED till date.

5+ Lakh
Trees and Mangroves
Planted Across Gujarat

250+ Clients
joined our hands for
a Greener tomorrow

KP GROUP
is working continuously to stop
Global Warming

Unlock the savings and sustainability of renewable with
our CPP and IPP option. Call us now.

'KP House', Near KP Circle, Opp. Ishwar Farm Junction BRTS, Canal Road, Bhatar, Surat - 395 017
☎ 0261 2244757 ✉ info@kpgroup.co 🌐 www.kpgroup.co

RENEWABLE | REASONABLE | RELIABLE

मने गर्व छे के, अमे अत्यारसुधीमां 40 लाख मैट्रीक टन कार्बन एमिशन सेव कराव्युं छे: डॉ. झरुक पटेल

रिन्युअेबल अेनर्जि बेनेडोवगडटकेपी ग्रुपना येरमेन अने मेनेछंग डिरेक्टर डॉ. झरुक पटेल



डॉ. झरुक पटेल
सी.ए.एम.डी., डेपीयुप

कहुं छतुं के, दिनप्रति दिन ग्लोबल वॉर्मिंगनी असर वातावरणमां अनुभवाय रही छे. हालमां ज गरमी अे तमाम रेकोर्ड तोड़ी नांभ्या छे त्यारे आपशी अे जवाबदारी बने छे के, आपसे ग्रीन अने क्लीन वातावरण आवनारी पेढी माटे तैयार करीअे. अमे अभिमान करी शकीअे छीअे के अमारी कंपनी आ काम रिन्युअेबलअेनर्जिना माध्यमथी करी रही छे. अत्यार सुधीअमे 1.5 गीगावाटसथी वधु ग्रीन अेनर्जि 250थी वधु ईन्डस्ट्रीअेने पछोयादीने 40 लाख मैट्रीकटन कार्बन

अेमिशनस सेव कराव्युं छे. वर्ष 2030 सुधीमां अमे 10 गीगा वाटथी वधुना रिन्युअेबलअेनर्जिना प्लान्ट स्थापीने करोडों टन कार्बन अेमिशन सेव करावीने पर्यावरण माटे मोट्टुं काम करीशुं. अमे गुजरातभरमां वृक्षारोपण पक्ष करी रखां छे. अमे अत्यार सुधी पांच लापथी वधुनुं वृक्षारोपण अने हरियाई पट्टी पर मेन्च्यूस प्लान्टेशन करीने पर्यावरणनुं जतन करवानो प्रयास कर्यो छे. उपरांत सुरतना भटार-केनाल रोड पर दोढ किलोमीटर सुधीना डिवाईडर अने आईलेन्डने ग्रीनरीयुक्त कर्यो छे. आगाभी दिवसोमां भडूय डिस्ट्रीकटमां ग्रीनबेल्ड पक्ष लीभो करवानुं अमारुं प्लानिंग छे. मारी दररेक नागरिकने विन्तीछे के, पोताना जन्मदिवसे के प्रसंगोपात वृक्षो वावे अने ग्रीनरीने वधारो. जो आपसे वातावरणमां जेर डेलातुं नही अटकावीअे तो आवनारी पेढी आपणने माक नही करे.

40 लाख मैट्रिक टन किया कार्बन एमिशन सेव

सूरत@पत्रिका. पर्यावरण दिवस पर केपी ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. फारुक पटेल ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग का असर वातावरण में महसूस हो रहा है। हाल ही में जब गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, तो हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अगली पीढ़ी के लिए हरा-भरा और स्वच्छ वातावरण तैयार करें। हमारी कंपनी रिन्युएबल एनर्जी के माध्यम से यह काम कर रही है।

अब तक हमने 250 से अधिक उद्योगों को 1.5 गीगावाट से अधिक हरित ऊर्जा प्रदान करके 4 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन बचाया है। 2030 तक 10 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र स्थापित करके और करोड़ों टन कार्बन उत्सर्जन बचाकर पर्यावरण के लिए काम किया जाएगा। पूरे गुजरात में भी पेड़ लगा रहे हैं। अब तक समुद्री बेल्ट पर पांच लाख से अधिक पेड़ और मैंग्रोव वृक्षारोपण



कर पर्यावरण को संरक्षित करने का प्रयास किया है। इसके अलावा सूरत में भटार-केनाल रोड पर डे किलोमीटर तक डिवाइडर और ट को हरा-भरा कर दिया गया है आने वाले दिनों में भरूच जिले एक ग्रीन बेल्ट स्थापित करने का योजना है। पटेल ने बताया कि सालोंगों को अपने जन्मदिन पर किसी भी अवसर पर पौधे रोप चाहिए। वातावरण में प्रदूषण रू जहर घोलना बंद नहीं किया ग तो आने वाली पीढ़ियां हमें मा नहीं करेंगी।

मुझे गर्व है कि हमने अब तक 40 लाख मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन बचाया है: डॉ. फारुक पटेल



डॉ. झरुक पटेल
सी.ए.एम.डी., डेपीयुप

वातावरण तैयार करें। हमें गर्व हो सकता है कि हमारी कंपनी नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से यह काम कर रही है। अब तक हमने 250 से अधिक उद्योगों को 1.5 गीगावाट से अधिक हरित ऊर्जा प्रदान की है और 4

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र डंकोवगडटकेपे समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. फारुक जी. पटेल ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग का असर दिन-ब-दिन वातावरण में महसूस हो रहा है। हाल ही में जब गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं तो हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अगली पीढ़ी के लिए हरा-भरा और स्वच्छ

मिलियन मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन बचाया है। 2030 तक हम 10 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र स्थापित करके और करोड़ों टन कार्बन उत्सर्जन बचाकर पर्यावरण के लिए एक बड़ा काम करेंगे।

हम पूरे गुजरात में भी पेड़ लगा रहे हैं। अब तक हमने समुद्री बेल्ट के किनारे पांच लाख से अधिक पेड़ और मैंग्रोव वृक्षारोपण करके पर्यावरण को संरक्षित करने का प्रयास किया है। इसके अलावा सूरत में भटार-केनाल रोड पर डेढ़ किलोमीटर तक डिवाइडर और टापू को हरा-भरा कर दिया गया है। हम आने वाले दिनों में भरूच जिले में एक ग्रीन बेल्ट स्थापित करने की भी योजना बना रहे हैं। मैं प्रत्येक नागरिक से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने जन्मदिन पर या किसी भी अवसर पर पौधे लगाएं और हरियाली बढ़ाएं। अगर हमने वातावरण में जहर घोलना बंद नहीं किया तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी।